भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 656

उत्तर देने कि तारीख़- 06/02/2025

झारखंड में बिरहोर समुदाय को संरक्षण

656. श्री आदित्य यादवः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस तथ्य का संज्ञान लिया है कि विलुप्त होने कि दहलीज पर खड़ी बिरहोर समुदाय नामक आदिम जनजाति झारखंड में अवैध कोयला खनन का सामना कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) इस बात को ध्यान में रखते हुए कि बिरहोर देश की कुल जनजातीय जनसंख्या का केवल लगभग 0.01 प्रतिशत है और उनकी प्रमुख जनसंख्या झारखंड में है जो विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है, जनजाति के जीवन को बचाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ख): झारखंड की अनुसूचित जनजातियों की सूची में प्रविष्टि संख्या 7 पर बिरहोर समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। मंत्रालय के संज्ञान में है कि अनुसूचित जनजातियों के भीतर कुछ ऐसे समुदाय हैं, जो सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक मापदंडों के मामले में पिछड़े हैं और उनकी जनसंख्या कम हो रही है। मंत्रालय ने 75 ऐसे समुदायों को चिह्नित किया है जिन्हें विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के रूप में पहचाना जाता है। झारखंड राज्य की बिरहोर ऐसे पीवीटीजी समुदायों में से एक है। मंत्रालय समान्यतः जनजातियों और विशेष रूप से पीवीटीजी के व्यापक विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) को लागू कर रहा है। भारत सरकार ने झारखंड सहित 18 राज्यों और एक संघ राज्यक्षेत्र में रहने वाले 75 पीवीटीजी समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए 15 नवंबर 2023 को प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) शुरू किया है। भौगोलिक अलगाव, कठिन और मुश्किल पहुँच और कई अन्य कारणों से पीवीटीजी समुदाय अब तक सरकारी योजनाओं के कवरेज से बाहर रहे हैं। पीएम-जनमन को बुनियादी सुविधाएं जैसे सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल एवं शिक्षा, स्वास्थ्य तथा

पोषण तक बेहतर पहुंच, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी, अविद्युतीकृत घरों का विद्युतीकरण और 3 साल में स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से कार्यान्वित किया गया है। इस मिशन को झारखंड सहित 18 राज्यों और एक संघ राज्यक्षेत्र में लागू किया जा रहा है। इन उद्देश्यों को 9-लाइन मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 11 उपायों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

इसके बाद, भारत सरकार ने 2 अक्टूबर, 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया है। इस अभियान में 17 मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 25 उपाय शामिल हैं और इसका उद्देश्य 63,843 गांवों में बुनियादी ढांचे के अंतरों को संतृप्त करना, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनवाड़ी सुविधाओं तक पहुँच में सुधार करना और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए 5 वर्षों में झारखंड सहित 30 राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों के 549 जिलों और 2,911 ब्लॉकों में आजीविका के अवसर प्रदान करना है। प्रत्येक संबंधित मंत्रालय को अभियान के तहत बजट और लक्ष्य आवंटित किए गए हैं और वे उन्हें सौंपे गए उपाय को लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं।

*****